Seventeenth Loksabha

an>

Ttile: Regarding telephone/mobile connectivy issues in far flung areas of uttarakhand.

श्री अजय टम्टा (अल्मोड़ा): माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे संसद की कार्यवाही में शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं । महोदय, मैं उत्तराखण्ड राज्य से आता हूं और उत्तराखण्ड राज्य का लगभग 80 प्रतिशत भूभाग पर्वतीय क्षेत्र और दुर्गम है । इन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों में रहने वाले अधिकांश लोग या तो सेना में नौकरी करते हैं या अन्य राज्यों में अपनी बहुत महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे हैं । महोदय, एक दूसरे से वार्तालाप के लिए संचार बहुत आवश्यक है, लेकिन वहां पर कई स्थानों में आज भी मनीआर्डर वाली व्यवस्थाएं हैं । कई स्थानों पर जाने में चार से पांच दिन भी लग जाते हैं । ऐसी भौगोलिक स्थिति वाला मेरा क्षेत्र है । महोदय, मेरे अल्मोड़ा, पिथौडागढ़, बागेश्वर और चम्पावत क्षेत्रों में अधिकतर संचार की सुविधाएं बीएसएनएल के माध्यम से दी जाती हैं, लेकिन बीएसएनएल के टावर पूरी तरह से काम नहीं कर रहे हैं, जब हम उसके बारे में जानकारी लेना चाहते हैं तो वे धनाभाव की बात करते हैं और बोलते हैं कि हमारे पास बजट नहीं है । टावरों तक डीजल पहुंचाने में या किसी प्रकार से ऑप्टिकल फाइबर टूट जाती है या कट जाती है तो उसके लिए भी वे टैक्नीकल लोगों का अभाव बताते हैं और बजट की कमी बताते हैं ।

महोदय, मैं बहुत महत्वपूर्ण विषय को उठा रहा हूं । मेरे क्षेत्र में अभी तक रोड्स बरसात के कारण ब्लॉक हैं । एक दूसरे से कनेक्टिविटी कहीं से भी नहीं हो पा रही है । अगर इस समय कोई घटना घट जाती है तो संचार के लिए हमारे पास सिर्फ बीएसएनएल के टावर ही हैं । कई स्थानों पर लोग भूख हड़ताल पर बैठे हैं और कई स्थानों पर लोग धरने पर बैठे हैं । मैं इस विषय को इसलिए उठाना चाहता हूं, क्योंकि इस व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने की आवश्यकता है । आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं ।

माननीय अध्यक्ष : श्री उदय प्रताप सिंह और डॉ. किरिट पी. सोलंकी को श्री अजय टम्टा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

माननीय सदस्य आपस में बात न करें ।

…(व्यवधान)